झारखंड ने गणतंत्र दिवस परेड में तसर रेशम उत्पादन का प्रदर्शन किया

चर्चा में क्यों?

26 जनवरी 2024 को **गणतंत्र दिवस परेड में झारखंड की झाँकी में** तसर रेशम **के उत्पादन में आदिवासी महिलाओं** के कौशल का प्रदर्शन किया गया।

मुख्य बिंदु:

- **झाँकी में तसर कीट पालन, कोकून उत्पादन, बुनाई और तसर परिधानों के डिज़ाइन से लेकर** वैश्विक वितरण तक की आधुनिक यात्रा को दर्शाया गया है।
- **प्रदर्शन में "झूमर" लोक नृत्य और स्वदेशी संगीत** के माध्यम से झारखंड की जीवंत भावना का प्रदर्शन किया गया।
- **तसर रेशम:**
    - यह एक प्रकार का जंगली रेशम है, जो आसन और अर्जुन जैसे पौधों को खाने वाले रेशम के कीड़ों से बनाया जाता है।
    - भारत के विभिन्न भागों में इसे टसर, टसर, तुषार, तुसा, टैस्सोर तथा तसर आदि नामों से जाना जाता है।
    - रेशम भूरे, क्रीम और नारंगी रंगों में भी पाया जा सकता है।
    - तसर रेशम के धागे अक्सर अन्य रेशम की तुलना में मोटे होते हैं और उन्हें इस तरह से बुना जाता है कि एक 'चेकरबोर्ड' पैटर्न बनता है।
    - यह हल्का होने के साथ-साथ मज़बूत भी है, अक्सर कश्मीरी या मखमल की तुलना में इसमें बेहतर मुलायम अहसास होता है।
    - यह नमी बरकरार नहीं रखता है और इसे विश्व के गरम मौसम वाले क्षेत्रों में पहना जा सकता है।
- **भारत टसर रेशम का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और भारतीय टसर** (जिसे उष्णकटिबंधीय टसर भी कहा जाता है) का विशेष उत्पादक है, जिसकी देखभाल बड़े पैमाने पर आदिवासियों द्वारा की जाती है।
- भारत में इसका उत्पादन मुख्य रूप से मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में होता है। **वर्तमान में, झारखंड सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।**
    - **चीन, श्रीलंका और बांग्लादेश** तसर रेशम के वैश्विक उत्पादक हैं।

भारत के रेशम उद्योग की स्थिति

- भारत चीन के बाद **कच्चे रेशम का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक** है।
- भारत में **शहतूत, तसर, मुगा और एरी सहित विभिन्न प्रकार** के रेशम पाए जाते हैं। ये विविधताएँ रेशमकीटों की विशिष्ट आहार आदतों से उत्पन्न होती हैं।
- रेशम उद्योग भारत के सबसे **बड़े विदेशी मुद्रा अर्जक** में से एक है, जो देश के आर्थिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है।
- **देश में प्रमुख रेशम उत्पादक राज्य** आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jharkhand-showcases-tasar-silk-production-in-r-day-parade